

মিলন গোধূলি রাঙা হয়ে এলো
 ঐ সোনার গগন ময়
 দাও আশিস অভয়, হে দেব জ্যোতির্ময় ॥

মিলিল আবার দুইটি প্রাণ
 কত যুগ পরে হে ভগবান
 সার্থক কর হে মনোহর এ মিলন অক্ষয় ।
 যেন চির-সুখী হয়, হে দেব জ্যোতির্ময় ॥

এইচএমভি জিটি ২৮ • শিল্পী : মিস্ বীণাপাণি • নাটিকা- 'পুতুলের বিয়ে' • তাল : দাদরা

| | | | | | | | | |
|----|---------------|--|--------------------|---|---------------|--|--------------------|---|
| II | সা সগা গা | | গমা মধা পধপা | I | ম্গা গপমা মগা | | রমগরা স্না সা | I |
| | মি ল০ ন | | গো০ ধূ০ লি০০ | | রা ঙা০ হ'০ | | য়ে০০০ এ লো | |
| I | স্‌রা -া -া | | -া -া -া | I | ধা ধা না | | সা রা গা | I |
| | ঐ ০ ০ | | ০ ০ ০ | | সো না র | | গ গ ন | |
| I | স্‌সা -া -া | | -া -া -া | I | স্‌সা সা সা | | সা -া সনা | I |
| | ম ০ ০ | | ০ ০ য় | | দা ও আ | | শি স্ অ০ | |
| I | ধা -ন্না -সসা | | -ররা -গগা -ক্ষক্ষা | I | পা ধা না | | না সনা -ধপা | I |
| | ভ ০০ ০০ | | ০০ ০০ ০য় | | হে দে ব | | জ্যো তি০ ০র্ | |
| I | পা -ধা -া | | -া -া -া | I | পা পা পা | | পনা ধা -নসা | I |
| | ম ০ ০ | | ০ ০ য় | | মি লি ল | | আ০ বা ০র্ | |
| I | সা -া সা | | সর্সর্সা -নসা -া | I | ধা না সা | | নসর্সর্সা স্‌রা রা | I |
| | দু ই টি | | প্রা০০ ০০ ০ | | ক ত যু | | গ০০ প রে | |

I সী না সর্না | ধ -^{র্}না -^{র্}ধপা }I{ পা -পধা ধা | ধা ধা ধা I
 হে ভ গ০ বা ০ ০ন্ সা ০র্ থ ক ক র

I পা ধর্সা নর্সনা | ধা -া -া }I স^{র্}সা সা সা | সা সনা -সরা I
 হে ম০ নো০০ হ ০ র এ মি ল ন অ০ ০০

I স^{র্}রা -া -া | -া -া -া I স^{র্}সা সা সা | সা সা না I
 ক্ষ ০ ০ ০ ০ য় যে ন চি র সু খি

I -ধা -ন্না -সসা | -ররা গগা ক্ষক্ষা I পা ধা না | না সর্না ধপা I
 হ ০০ ০০ ০০ ০০ ০য় হে দে ব জ্যো তি০ ০র্

I পা -ধা -া | -া -া -া II II
 ম ০ ০ ০ ০ য়